085/X/SA2/25/A1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

कक्षा - X

हिन्दी

(पाठ्यक्रम - ब)

निर्धारित समय : 3 घंटे] [अधिकतम अंक : 80

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 10 हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 18 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले उस प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखए।** **1x5=5**

जब हम परिश्रम से अपने कर्तव्य का पालन करते हैं तो हमारे मन को अलौकिक आनंद मिलता है। अंत:करण का सारा कलुष धुल जाता है और पूर्ण संतोष का अनुभव होता है। ऐसे व्यक्ति को धर्म के बाह्याचारों के अनुसरण की आवश्यकता नहीं होती। उसका परिश्रम ही उसकी पूजा है, नमाज है, गंगा-स्नान है। न वह मंदिर में जाता है, न गिरजे में। न उसे मसजिद में जाकर नमाज पढ़ने की लालसा रहती है और न ही वह अपने धर्म को जानने के लिए प्रयत्नशील होता है। हम उस किसान के जीवन को देखें जो दिन-भर परिश्रम से अपना खेत जोतता है और सायंकाल अपनी झोपड़ी में आकर आनंदमग्न कोई ग्राम-गीत अलापता है। उस समय उसके स्वरों से उस स्वर्गीय संगीत की सृष्टि होती है जिसमें नारद की वीणा, शंकर के डमरू और लीला पुरुषोत्तम कृष्ण की वंशी का नाद सुनाई देता है। जब कोई विद्यार्थी दिन-भर परिश्रम से अध्ययन करता है तब वह सायंकाल खेलने में भरपूर आनंद का अनुभव करता है। यदि हम अपने कार्य में ईमानदारी से श्रम नहीं करते तो हमारे मन में एक प्रकार का भय समाया रहता है। कभी-कभी तो हम ग्लानि का भी अनुभव करते हैं।

(क) हमारे मन को आनंद मिलता है - **1**

(i) परिश्रम से (ii) कर्तव्य से

(iii) कर्तव्य पालन से (iv) परिश्रम करते हुए कर्तव्य पालन से

(ख) विद्यार्थी खेलने में पूरा आनंद उठाते हैं, जब - **1**

(i) खेल उनकी पसंद का हो (ii) खेल शाम को हो

(iii) दिन में परिश्रम से अध्ययन किया हो (iv) दोस्तों के साथ खेला जाए

(ग) किसान अपनी झोपड़ी में आनंदमग्न कब होता है - **1**

(i) जब मंदिर से लौटता है (ii) जब ग्रामगीत गाता है

(iii) जब दिनभर खेत जोतकर लौटता है (iv) जब घर पर कोई उत्सव होता है

(घ) 'अलौकिक आनंद' का अर्थ है - **1**

(i) परलोक का आनंद (ii) अनोखा आनंद

(iii) इस लोक का आनंद (iv) मन का आनंद

(ङ) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा - **1**

(i) मंदिर-मस्जिद (ii) कर्तव्यपालन

(iii) परिश्रम का महत्त्व (iv) ईमानदारी

2. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर सही उत्तरों वाले विकल्पों को चुनकर उत्तर लिखिए -** **1x5=5**

आधुनिकता ने हमें इतना जड़ व पत्थर दिल बना दिया है कि अधेड़ तथा वृद्ध व्यक्ति की मौत को हम एक सामान्य घटना के रूप में ही लेते हैं। कुछ एक नजदीकी लोगों के अलावा शेष सभी औपचारिकता निभाने आए महसूस होते हैं। शवयात्रा थोड़ी दूर चलने के बाद अकसर दो हिस्सों में बँट जाती है। आगे वाले हिस्से में लोग 'राम-राम सत्य है' का जाप कर रहे होते हैं, तो पीछे वाले हिस्से में लोग देश की राजनीति की, सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार की तथा सोने-चाँदी के भावों की चर्चा कर रहे होते हैं। लेकिन कई बार सारी शवयात्रा एकजुट होकर चलती है। ऐसा केवल दो अवसरों पर ही होता है। एक तो जब शवयात्रा में शामिल लोगों की संख्या बहुत कम हो। दूसरे, जब शवयात्रा के फोटो लेने के लिए फोटोग्राफर साथ चल रहा हो। हमारे नगर का श्मशान मुख्य शहर से लगभग चार किलोमीटर पड़ता है। मैं एक सज्जन के साहस की प्रशंसा कर रहा था कि उन्होंने शव को पूरे रास्ते अपना कंधा दिए रखा। मेरे यह कहने पर दूसरे सज्जन ने मुझे बतलाया की उन कंधा देने वाले सज्जन ने यह नियम

बना रखा है कि वे उसी शव को अपना कंधा देते हैं, जिसकी शवयात्रा में फोटोग्राफर फोटो लेने के लिए साथ-साथ चल रहा हो।

(क) 'शवयात्रा' का सर्वाधिक उपयुक्त अर्थ है - **1**

(i) शव की यात्रा (ii) शव के लिए यात्रा

(iii) शव के साथ यात्रा (iv) शव को कराई गई यात्रा

(ख) कैसी मृत्यु को लोग सामान्य घटना मान लेते हैं? **1**

(i) लंबी बीमारी के बाद होनेवाली (ii) दो दलों की मूठभेड़ में होने वाली

(iii) भूकंप और बाढ़ से होने वाली (iv) वृद्धावस्था में होने वाली

(ग) सरी शवयात्रा एकजुट होकर कब चलती है - **1**

(i) जब एक ही बातपर बहस हो रही हो

(ii) जब लोग रोते और शोक मनाते चल रहे हों

(iii) जब लोक कम हों और फोटोग्राफर साथ हों

(iv) जब चाय-पानी की अच्छी व्यवस्था हो

(घ) सारे रास्ते शव को कंधा देने वाले सज्जन की क्या विशेषता थी? **1**

(i) सहृदय और सामाजिक थे (ii) सबकी सहायता उनका स्वभाव था

(iii) यह उनका नियम था (iv) फोटोग्राफर साथ हो तभी वे ऐसा करते थे

(ङ) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा - **1**

(i) बदलते मूल्य (ii) शवयात्रा में फोटोग्राफर का महत्त्व

(iii) सामान्य मृत्यु (iv) शवयात्रा के दो हिस्से

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए। 1x5=5

कितना विशाल यह विश्व तेरा
जिसका प्रारंभ न अंत कहीं
लेकिन तेरी सृष्टि में ही
तुझको छुपने की जगह नहीं?
तू कहता मुझसे- 'ढूँढ़ मुझे'
मैं कहता - मुझसे छिप के दिखा
ईश्वर तु कहता, पकड़ मुझे
मैं कहता मुझ से दुर तो ज़ा!
यह अरिवल विश्व, बह्मांड निखिल
तेरा निवास तेरा ही घर
यह कैसा, चमत्कार तेरा
तेरी गागर, तेरा सागर!
मनमोहक, स्वप्निल पुष्पों में
तेरी ही सुगंध समाई है
मिट्टी के पुतलों में तूने ही
जीवन - ज्योति जगाई है।

(क) ईश्वर के बारे में क्या नहीं कहा गया है – 1

(i) विशाल विश्व उसी का है (ii) वह कहीं भी छिप सकता है

(iii) ईश्वर की सृष्टि का न आदि है, न अंत (iv) ईश्वर सर्वत्र है

(ख) 'मैं कहता, मुझसे दूर तो जा' का भाव है – 1

(i) ईश्वर को दूर हो जाना चाहिए। (ii) हमें ईश्वर से दूर रहना चाहिए।

(iii) ईश्वर मनुष्य से दूर हो ही नहीं सकता। (iv) मैं तो ईश्वर को दूर जाने के लिए कहता हूँ।

(ग) 'तेरी गागर तेरा सागर' कथन का तात्पर्य है – 1

(i) गागर भी ईश्वर की और सागर भी ईश्वर का।

(ii) पृथ्वी भी ईश्वर की बनाई हुई है और उसके निवासी भी।

(iii) जिसकी लाठी उसकी भैंस।

(iv) जो जैसा बोएगा वैसा पायेगा।

(घ) 'पुष्प' के विशेषण हैं – 1

(i) अखिल, निखिल (ii) निखिल, स्वप्निल

(iii) स्वप्निल, मनमोहक (iv) मनमोहक, अखिल

(ङ) जीवन ज्योति का अर्थ है – 1

(i) जीवन की ज्योति (ii) ज्योति का जीवन

(iii) जीवन और ज्योती (iv) ज्योति और जीवन

4. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** **1x5=5**

साक्षी है इतिहास हमीं पहले जागे हैं,
जाग्रत सब हो रहे हमारे ही आगे हैं।
शत्रु हमारे कहाँ नहीं भय से भागे हैं?
कायरता से प्राण कहाँ हमने त्यागे हैं?
हैं हमीं प्रकंपित कर चुके, सुरपति तक का भी हृदय!
फिर एक बार हे विश्व! तुम, गाओ भारत की विजय!
कहाँ प्रकाशित नहीं रहा है तेज हमारा,
दलित कर चुके शत्रु सदा हम पैरों द्वारा
बतलाओ तुम कौन नहीं जो हमसे हारा,
पर शरणागत हुआ कहाँ, कब हमें न प्यारा।
बस युद्ध-मात्र को छोड़कर, कहाँ नहीं हैं हम सदय!
फिर एक बार हे विश्व! तुम, गाओ भारत की विजय!

(क) 'साक्षी' का आशय है – 1

(i) एक नाम (ii) गवाही

(iii) गवाह (iv) प्रमाण

(ख) काव्यांश के अनुसार कौन-सा विशेषण भारतीयों का नहीं है – 1

(i) वीर (ii) तेज

(iii) दयालु (iv) दलित

(ग) युद्ध-मात्र को छोड़कर, कहाँ नहीं हैं हम सदय - कथन का आशय है - **1**

(i) हम युद्ध छोड़कर चले आते हैं (ii) हम युद्ध मात्र से दूर रहते हैं

(iii) हम युद्ध में निर्दय होते हैं (iv) हम सर्वत्र दयालु होते हैं

(घ) 'हमीं पहले जागे हैं' कथन का भाव है कि हम - **1**

(i) पड़ोसी देश से पहले जागे हैं (ii) हमने सबसे पहले ज्ञान प्राप्त किया है

(iii) रोज सुबह सबसे पहले जग जाते हैं (iv) पहले जागे हैं, अब नहीं

(ङ) 'कौन नहीं, जो हमसे हारा' का आशय है - **1**

(i) हमसे कोई नहीं हारा (ii) हमसे सब हारे हैं

(iii) हम सबसे नहीं हारे हैं (iv) हमें कौन नहीं हराता

खंड 'ख'

5. (क) <u>लाल बालों वाला एक सिपाही</u> चला आ रहा था। (रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए) **1**

(i) क्रिया पदबंध (ii) अव्यय पदबंध

(iii) सर्वनाम पदबंध (iv) संज्ञा पदबंध

(ख) यह ख्यूक्रिन हमेशा कोई न कोई शरारत करता रहता है। (वाक्य में क्रिया पदबंध है -) **1**

(i) करता (ii) करता है

(iii) करता रहता है (iv) शरारत करता है

(ग) मैं <u>दसवीं</u> कक्षा में पढ़ता हूँ। (रेखांकित का पद-परिचय छाँटकर लिखिए) **1**

(i) संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, बहुवचन

(ii) संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन

(iii) संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन

(iv) प्रश्नवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन

(घ) हामिद <u>पतंग</u> उड़ा रहा है। (रेखांकित का पद परिचय छाँटकर लिखिए) **1**

(i) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

(ii) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन

(iii) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन

(iv) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन

6. (क) निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य छाँटकर लिखिए - **1**

(i) मेहनत करने से सफलता मिलेगी।

(ii) जो मेहनत करेगा उसे सफलता मिलेगी।

(iii) मेहनत करो और सफलता पाओ

(iv) यदि मेहनत करोगे तो सफलता मिलेगी।

(ख) 'उसने कहा कि वह स्कूल नहीं जाएगी।' (रचना के आधार पर वाक्य भेद लिखिए) **1**

(i) सरल वाक्य (ii) संयुक्त वाक्य

(iii) मिश्र वाक्य (iv) इच्छावाचक वाक्य

(ग) 'डॉक्टरों ने बहुत प्रयत्न किया। उसे बचा लिया।' (वाक्यों से बना संयुक्त वाक्य होगा –) **1**

(i) डॉक्टरों ने बहुत प्रयत्न करके उसे बचा लिया।

(ii) डॉक्टरों के बहुत प्रयत्न करने पर वह बच पाया।

(iii) जब डॉक्टरों ने बहुत प्रयत्न किया तब उसे बचा पाए।

(iv) डॉक्टरों ने बहुत प्रयत्न किया और उसे बचा लिया।

(घ) 'कार्य समाप्त करके मज़दूर घर चले गए।' (वाक्य से बना मिश्र वाक्य है –) **1**

(i) कार्य समाप्त होते ही मजदूर घर चले गए।

(ii) जैसे ही कार्य समाप्त हुआ, मजदूर घर चले गए।

(iii) कार्य समाप्त करके मजदूर घर चले गए।

(iv) कार्य समाप्त हुआ और मजदूर घर चले गए।

7. (क) धर्माधर्म का उचित संधि विच्छेद है – **1**

(i) धर्मा + अधर्म (ii) धरमा + धरम

(iii) धरम + धरम (iv) धर्म + अधर्म

(ख) 'रवि + इन्द्र' की संधि है – **1**

(i) रविंद्र (ii) रवेंद्र

(iii) रवींद्र (iv) रवीन्द्र

(ग) 'कमल के समान चरण' का उचित समस्तपद है – **1**

(i) कमलचरण (ii) चरणकमल

(iii) कमल और चरण (iv) कमल ही चरण

(घ) 'अठन्नी' का विग्रह है – **1**

(i) आठ आनों का समाहार (ii) आठ अंधों का समूह

(iii) आठ अन्नों का समूह (iv) आठ कोणों का समूह

8. (क) क्या बात है मित्र .... हो गए हो, दिखाई ही नहीं देते! (रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे से किजिए। **1**

(i) रँगा सियार (ii) ईद का चाँद

(iii) चिकना घड़ा (iv) गुदड़ी का लाल

(ख) 'हवा से बातें करना' मुहावरे का सही अर्थ छाँटकर लिखिए – **1**

(i) बहुत तेज दौड़ना (ii) हार जाना

(iii) तनाव ग्रस्त होना (iv) न्याय करना

(ग) 'पाँचों उँगलियाँ बराबर नहीं होतीं' लोकोक्ति का सही अर्थ छाँटकर लिखिए – **1**

(i) हर तरह से लाभ ही लाभ होना (ii) सभी समान नहीं होते

(iii) माँगने से कुछ नहीं मिलता (iv) उपकार को दर्शाना नहीं चाहिए

(घ) श्याम हलवाई अच्छी मिठाइयों के लिए बहुत प्रसिद्ध है, पर कल हमने जो मिठाई उससे खरीदी, वह स्वादिष्ट नहीं थी। सच है .... ।
(रिक्त स्थान की पूर्ति उचित लोकोक्ति से कीजिए।) **1**

(i) ऊँची दुकान फीका पकवान (ii) आगे कुआँ पीछे खाई
(iii) उलटा चोर कोतवाल को डाँटे (iv) आसमान से गिरा खजूर में अटका

9. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए -

(क) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है - **1**

(i) राम बेटे को पत्र लिखा। (ii) राम से बेटे को पत्र लिखो।
(iii) राम के द्वारा बेटे को पत्र लिखा। (iv) राम ने बेटे को पत्र लिखा।

(ख) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है - **1**

(i) तुम तुम्हारे घर जाओ। (ii) आप कल आ जाना।
(iii) यह हमारे से नहीं होगा। (iv) हमने तो पहले ही बता दिया था।

(ग) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है - **1**

(i) आप आने की कृपा कीजिए। (ii) आप अवश्य आइए।
(iii) कृपया आप अवश्य आने की कृपा कीजिए। (iv) आप अवश्य पधारिए।

(घ) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है - **1**

(i) वे हाथ जोड़े खड़े थे। (ii) उन्होंने हाथ जोड़ा।
(iii) मैं हाथ जोड़ कर विनती कर रहा हूँ। (iv) उन्होंने हाथ जोड़े

खंड 'ग'

10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए। **1x5=5**

'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है,
पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है।
फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद है,
परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद हैं।
अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(क) विवेक किसे कहा गया है? **1**

(i) सभी मनुष्य परस्पर भाई हैं। (ii) सभी भाई समान होते हैं।
(iii) जो भाई है वे ही बंधु होते हैं। (iv) मात्र बंधु ही मनुष्य होते हैं।

(ख) हममें भेद क्यों दिखाई पड़ता है - **1**

(i) अलग-अलग धर्मों के कारण (ii) अपने कर्मों के फलों से
(iii) अलग देश के वासी होने के कारण (iv) अलग - बोलने के कारण

(ग) कवि ने किसे अनर्थ कहा है? **1**

(i) यदि लोग अशिक्षित रहें। (ii) यदि युद्ध हो।
(iii) यदि मनुष्य ही मनुष्य की पीड़ा दूर न करे। (iv) यदि हम केवल अपने बारे में सोचें।

(घ) कवि ने वास्तव में मनुष्य किसे माना है? **1**

(i) जो बड़ा पद प्राप्त करे। (ii) जो अपने परिवार का हित करे।

(iii) जो परोपकार करे। (iv) जो दूसरों के लिए अपने प्राण अर्पित करे।

(ङ) ईश्वर को क्या नहीं कहा है? **1**

(i) विवेक (ii) पुराणपुरुष (iii) स्वयंभू (iv) पिता

अथवा

जपमाला, छापैं, तिलक सरै न एको कामु।
मन-कांचै नाचै वृथा, सांचै राँचै रामु।।

(क) भगवान किस प्रकार के भक्त से प्रसन्न होते हैं? **1**

(i) जो माला जपता हो (ii) जो तिलक लगाए

(iii) जो मन से सच्चा हो (iv) जो ईश्वर का पूजन करे

(ख) उपर्युक्त दोहे के कवि का नाम है? **1**

(i) सूरदास (ii) बिहारी (iii) कबीरदास (iv) तुलसीदास

(ग) उपर्युक्त दोहे में कवि ने किस प्रकार के आडंबरों की भर्त्सना नहीं की? **1**

(i) माला जपने की (ii) सच्चे मन से ईश्वर स्मरण की

(iii) तिलक लगाने की (iv) भजन गाकर नाचने-गाने की

(घ) 'मन काँचे' का अर्थ है - **1**

(i) काँच जैसा मन (ii) ज्ञानी मन

(iii) कच्चा मन (iv) अस्थिर मन

(ङ) दोहा किस भाषा में लिखा गया है - **1**

(i) अवधी (ii) मैथिली (iii) ब्रज (iv) खड़ी बोली

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** के उत्तर संक्षेप में दीजिए - **2x2.5=5**

(क) लेखक की पत्नी को खिड़की में जाली क्यों लगवानी पड़ी? 'अब कहाँ दुसरों के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ख) 'कारतूस' पाठ में सआदत अली कौन था? उसने वजीर अली की पैदाइश को अपनी मौत क्यों समझा?

(ग) ओचुमेलॉव कौन था? किसी कील-बील से उँगली छील ली होगी ऐसा ओचुमेलॉव ने क्यों कहा?

(घ) चाजीन किसे कहा जाता है? उसने कौन-सी क्रियाएँ गरिमापूर्ण ढंग से पूरी की थीं?

12. ख्यूक्रिन का यह कथन की, 'मेरा एक भाई भी पुलिस में है....।' समाज की किस वास्तविकता की ओर संकेत करता है? **5**

अथवा

वजीर अली के चरित्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

13. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -**

किस्सा क्या हुआ था, उसको पद से हटाने के बाद हमने वज़ीर अली को बनारस पहुँचा दिया और तीन लाख रुपये सालाना वजीफा मुकर्रर कर दिया। कुछ महीने बाद गवर्नर जनरल ने उसे कलकत्ता (कोलकाता) तलब किया। वजीर अली कंपनी के वकील के पास गया जो बनारस में रहता था और उससे शिकायत की कि गवर्नर जनरल उसे कलकत्ता में क्यूँ तलब करता है। वकील ने शिकायत की परवाह नहीं की, उल्टा उसे बुरा-भला सुना दिया। वज़ीर अली के तो दिल में यूँ भी अंग्रेज़ों के खिलाफ नफरत कूट-कूटकर भरी है। उसने खंजर से वकील का काम तमाम कर दिया।

(क) लेखक ने किस किस्से की बात की है? 2

(ख) वज़ीर अली ने वकील को क्यों मारा? 2

(ग) वज़ीर अली के मन में अंग्रेजों के प्रति नफरत का क्या कारण था? 1

अथवा

बाइबिल और दूसरे पावन ग्रंथों में नूह नाम के एक पैगंबर का जिक्र मिलता है। उनका असली नाम लशकर था, लेकिन अरब ने उनको नूह के लकब से याद किया है। यह इसलिए कि आप सारी उम्र रोते रहे। इसका कारण एक जख्मी कुत्ता था। नूह के सामने से एक बार एक घायल कुत्ता गुजरा। नूह ने उसे दुत्कारते हुए कहा, 'दूर हो जा गंदे कुत्ते।' इस्लाम में कुत्तों को गंदा समझा जाता है। कुत्ते ने उनकी दुत्कार सुनकर जवाब दिया... 'न मैं अपनी मर्जी से कुत्ता हूँ, न तुम अपनी पसंद से इन्सान हो। बनाने वाला सबका तो वही एक है।'

(क) नूह कौन थे? उन्होंने कुत्ते को क्यों दुत्कारा? 2

(ख) नूह की दुत्कार पर कुत्ते ने क्या कहा? 2

(ग) नूह सारी उम्र क्यों रोते रहे? 1

14. (क) गीत में ऐसी क्या खास बात होती है कि वे जीवन भर याद रह जाते हैं? 'कर चले हम फिदा' गीत के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) 'मनुष्यता', कविता के कवि ने कैसी मृत्यु को 'सुमृत्यु' कहा है? 1

(ग) बिहारी की नायिका यह क्यों कहती है, 'कहिहै सबु तेरौ हियौ, मेरे हिय की बात' स्पष्ट कीजिए। 2

15. हेडमास्टर शर्माजी ने पी.टी. साहब को क्यों मुअत्तल कर दिया? 'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

इफ़्फ़न की दादी के देहांत के बाद टोपी शुक्ला को उसका घर खाली-सा क्यों लगा? 3

16. मुन्नी बाबू ने क्या झूठ बोला था और इसका टोपी पर क्या प्रभाव पड़ा? 2

खंड 'घ'

17. **दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए।** 5

(क) स्वस्थ जीवन के लिए व्यायाम

- शरीर और मन की स्वस्थता
- व्यायाम, आसन, प्राणायाम
- खान-पान और रहन-सहन

(ख) भारत का प्राकृतिक सौंदर्य

- भौगोलिक विविधता
- प्राकृतिक सौंदर्य
- विविध सुंदरता

(ग) लड़का-लड़की एक समान

- समाज का जड़ दृष्टिकोण
- लड़कियों की भूमिका
- समाज से उदाहरण

18. पत्र-लेखन : **5**

अपनी स्वरचित कविता छपवाने के लिए समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

अथवा

शहर में बढ़ते अपराध और जान-माल की असुरक्षा के विषय में चर्चा करते हुए 'दैनिक भारत' समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

- o O o -